



तलाकशुदा माँ की अगन-3

“मेरी मां ने मुझे बताया कि कैसे कामुकता वश उसने अपने बड़े बेटे से चुदाई करवाई. अब मेरी मां वही सेक्स का मजा मुझे भी देना चाहती थी. तो मैंने क्या किया ? ...”

Story By: (sweetrohan)

Posted: Tuesday, March 5th, 2019

Categories: [माँ की चुदाई](#)

Online version: [तलाकशुदा माँ की अगन-3](#)

तलाकशुदा माँ की अगन-3

मेरी सेक्स कहानी के पिछले भाग

तलाकशुदा माँ की अगन-2

मैं आपने पढ़ा कि मेरी माँ ने मुझे बताया कि कैसे उसने अपने बेटे से पहली बार चुदाई करवाई.

अब आगे :

माँ के रिश्ते के बारे में सब कुछ पता चलने के बाद मैं पूरी तरह से उत्तेजित हो गया था और कहा कि मैं भी हर रोज घर आने से पहले यहाँ मुठ मारने आता था।

मम्मी ने मुझे देखा और कहा- मुझे पता था कि तुम हमारे रिश्ते को जल्द से जल्द समझ जाओगे और हम लोग इसके लिए तैयार थे।

यह सुनकर मैंने खुद को समझाया कि करण के साथ चुदाई के बाद माँ एक असली चुदक्कड़ हो गई है.

मैंने मम्मी से पूछा- तुम्हारा क्या मतलब है कि आप तैयार थे ?

मम्मी ने कहा कि करण और तुम दोनों मेरे लिए बराबर हो और मैं तुम्हें वह सब कुछ दूंगी जो मैंने करण को दिया है और मैं करण और तुम दोनों के साथ सेक्स करना चाहती हूँ।

मैं इस समय पूरी तरह से उत्तेजित था और मुझे लगा जैसे मैं कोई सपना देख रहा हूँ जब माँ ने मुझे कहा कि वह मेरे साथ यौन सम्बन्ध बनाना चाहती है।

मैंने तुरंत माँ को गले लगाकर अपनी स्वीकृति दिखा दी क्योंकि मैं अपने लण्ड की आवाज़ सुन रहा था जो कि कैसे माँ और करण के बीच सेक्स की कहानी सुनकर खड़ा हो गया था।

माँ ने मुझसे पूछा- क्या तुम यहीं मेरे साथ सेक्स करना चाहते हो या कहीं और ?

तो मैंने कहा- मैं आपके साथ हमारे घर में सेक्स करना चाहता हूँ।

माँ ने कहा- ठीक है. लेकिन अभी मैं करण को संतुष्ट कर देना चाहती हूँ.
और मुझसे घर वापस जाने और उसके आने का इंतजार करने को कहा।

मैं निराश हो गया और घर वापस आया. आकर स्नान किया और लन्ड के पास के सभी बालों को साफ किया और अपने जीवन की पहली चुदाई के लिए माँ के घर लौटने का बेसब्री से इंतजार करने लगा. मैं खुद को नियंत्रित करने लगा क्योंकि यह मेरी अपनी माँ के साथ था।

माँ और भाई रात को लगभग 8 बजे वापस आए और दोनों ने स्नान किया और हमने साथ में डिनर किया। करण मेरी तरफ देख नहीं पा रहा था और बाहर चला गया और कहा कि वह कल वापस आ जाएगा।

मैं समझ गया कि यह हमें अकेला छोड़ना चाहता है क्योंकि यह मेरी पहली बार था। यह सुनकर मैं खुश हो गया और माँ की ओर देखा और मुस्कुराया, जिसके लिए वह एक सकारात्मक संकेत के रूप में मुझ पर मुस्कराई।

रात के खाने के बाद मैं माँ की सफाई में माँ की मदद कर रहा था और उनसे कहा- मम्मी अब मुझसे और नहीं रुका जाएगा.

तो मम्मी ने मुझे अपने कमरे में जाने के लिए कहा और कहा- मैं बस थोड़ी देर से आई।

मैं मम्मी के कमरे में गया और वे 10 मिनट के बाद आईं। वे उसी साड़ी को पहनकर आयी जिसे उन्होंने करण के साथ पहली चुदाई के वक्त पहनी थी। मैं इस बारे में हैरान था और मम्मी मुझे देखकर मुस्कुरायी- मैं चाहती हूँ कि तुम गाउन के बजाय साड़ी में मेरे शरीर को महसूस करो।

माँ ने कमरे में घुसने के बाद दरवाजा बंद कर दिया और पानी की बोतल को किनारे रख दिया और अपनी पारदर्शी काली साड़ी में बिस्तर पर बिना ब्रा के बैठ गई जिससे उसके

निपल्स ब्लाउज से बाहर आ रहे थे।

माँ चुदासी होने की वजह से मस्त लग रही थी क्योंकि वो बहुत गोरी थी और मैं घबरा रहा था कि कैसे शुरू करूँ।

यह देखकर माँ ने मुझसे कहा- तुम घबराओ मत।

मैंने माँ को कहा- आप इस साड़ी में बहुत हॉट और सेक्सी लग रही हो!

और उनके निपल्स की तरफ इशारा कर दिया।

मम्मी ने कहा- मैं जानती हूँ कि तुम्हारा लण्ड तुम्हारे बॉक्सर में खड़ा है।

और फिर मम्मी ने मेरी जांघों पर हाथ रखा और मेरी जांघ को सहलाने लगी।

मम्मी ने मुझे अपनी साड़ी उतार कर उसे नंगी करने को कहा। मैंने उनका पल्लू लिया और उसे पकड़ लिया और वह अपनी साड़ी को हटाने में मदद करने के लिए मेरे सामने खड़ी हो गई। वह अपने ब्लाउज और पैटी में थी जिसे देखकर मेरा लण्ड एक चट्टान की तरह कठोर हो गया और बॉक्सर से बाहर आ रहा था क्योंकि मैंने अपना अंडरवियर नहीं पहना था।

माँ मेरे ऊपर आकर चुम्बन करने लगीं और मैंने दोनों हाथों से उनकी नाभि को पकड़ रखा था और हम दोनों एक-दूसरे के होंठों को एक-दूसरे को जीभ से चाटने लगे।

वे मेरी आँखों में देखते हुए बोली- कैसा लगा ?

मैंने बताया- यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा चुम्बन है जो अपनी माँ के साथ है।

मैं माँ के चुम्बन से पागल हो गया था।

मैंने उनके ब्लाउज के ऊपर से उनके स्तनों को मजबूती से पकड़ना शुरू कर दिया और उनके दोनों खरबूजे निचोड़ दिए। माँ ने मेरे हाथ अपने बूब्स पर रखे और मुझे अपने बूब्स को और भी मजबूती से दबाने को कहा और वो मेरे चेहरे पर बूब्स को मसलते हुए वापस आकर उस अहसास का मज़ा ले रही थी। मैंने उनका ब्लाउज उतार दिया. मां ने ब्रा नहीं पहनी थी.

मैंने उसके दूधिया गोरे स्तन और उनके उभरे हुए भूरे निप्पलों को देखा और पागल हो गया। मैंने उनके बायें आम को निचोड़ लिया. दाहिने आम को अपने मुँह में ले लिया और धीरे से सीधा उनके खड़े निप्पल को काटने लगा।

मम्मी तो जैसे पागल ही हो गई जैसे ही मैंने उसके निप्पल को थोड़ा सा चबाया और उन्होंने 'हम्म ... अर्हह ... मम्म...' कहा और अपने आम को मेरे मुँह में और घुसेड़ दिया।

मैंने उनके बूब्स को एक एक करके चूसा और फिर मैंने अपना हाथ उनकी पैंटी में सरका दिया और महसूस किया कि मम्मी पहले से ही काफी पानी छोड़ रही थी। माँ ने खुद ही अपनी पैंटी उतार दी और मेरा हाथ पकड़ लिया और खुद ही मेरी उंगलियाँ अपनी चूत में डाल दीं।

मम्मी की योनि बहुत गर्म और मुलायम थी। शुरुआत में मैंने धीरे धीरे से उनकी चूत में उंगली की. मेरी उंगलियाँ उनकी चूत के रस से लिपटी हुई थीं। दो मिनट के बाद मम्मी ने मुझे रुकने को कहा। मेरी उंगलियाँ उनकी चूत के रस से ढक चुकी थी।

मैंने अपनी एक उंगली को चाटा. मैं माँ की चूत से निकले गाढ़े रस को खा रहा था।

फिर माँ ने मेरी तरफ देखा और मेरी उंगली पकड़ कर उस पर से अपना रस पीने लगी और कहा कि वह मेरा लण्ड चूसना चाहती है।

मैं बिस्तर के किनारे पर आ गया और मम्मी फर्श पर झुककर बैठ गयी। माँ ने मेरा लण्ड देखने के लिए सीधा बॉक्सर को हटा दिया। मम्मी ने मेरे लंड को मजबूती से पकड़ा और कुछ देर तक झटके दिए और मेरा लंड सहला रही थी।

मम्मी ने मुझे देखा और कहा- मुझे लण्ड चूसना बहुत पसंद है.

और उन्होंने अपनी जीभ से मेरे लण्ड को गेंदों से सुपारे तक चाटना शुरू कर दिया और फिर एक ही सांस में मम्मी ने मेरे लण्ड का आधा हिस्सा अपने मुँह में ले लिया।

मम्मी ने मेरे लण्ड को चूसना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे मेरे पूरे लण्ड को गोटियों तक पूरा मुँह में ले लिया। मैं मम्मी को यह कहते हुए बहुत उकसा रहा था कि वे लण्ड चूसने में सर्वश्रेष्ठ हैं और कहा कि मैं अब और नहीं सह पाऊँगा।

मम्मी ने यह सब सुनने के बाद मेरे लण्ड को और मजबूती से चूसना शुरू कर दिया और मुझे इशारो ने ही मुँह के अंदर झड़ने के लिए कहा।

कुछ ही देर में मैंने अपना नियंत्रण खो दिया और एक लम्बी आहह ... के साथ अपना वीर्य माँ के मुँह में छोड़ना शुरू कर दिया। यह आनंद स्वर्गीय था जब मैंने माँ के मुँह में अपने वीर्य की पिचकारियाँ मारना शुरू की क्योंकि मम्मी ने मेरी वीर्य की हर बूंद को निगल लिया और मुस्कुराते हुए कहा- बेटा, तेरा वीर्य बहुत स्वादिष्ट है।

वीर्य का कुछ हिस्सा मेरे लण्ड पर भी था तो माँ ने तुरंत अपनी जीभ निकाली और मेरे लंड को सहलाया और उसे भी साफ कर दिया।

चुसाई के बाद माँ ने कहा कि वह कितनी खुशकिस्मत है कि जब चाहे लंड को चूसने और उसका स्वाद चखने के लिए उनके पास दो अच्छे लंड हैं।

कुछ समय बाद मैंने अपनी ऊर्जा वापस पा ली और माँ ने भी अपने कूल्हों के नीचे एक तकिया रखा और अपनी चूत को ऊपर उठा दिया जिससे मुझे उनकी चूत अन्दर की गहराई तक चाटने में आसानी हो।

मम्मी ने मेरी तरफ देखा और अपनी टपकती चूत का सबसे अच्छा लुक देने के लिए टांगें फैला दीं। मैं उनकी खूबसूरत टाइट चूत को चाटा और फिर थोड़ी देर तक उंगली करता रहा। मम्मी की चूत की गर्मी और मोहक खुशबू मुझे पागल कर रही थी। मैंने मम्मी की तरफ देखा और उन्होंने एक हाथ से मेरा सर पकड़ कर मुझे अपनी चूत में जोर से दबा दिया।

मैंने अपनी जीभ उनकी चूत में गहराई तक डाल दी और उनकी गर्म चूत की दीवारों को

चखने लगा। मुझे बिल्कुल स्वर्ग जैसा महसूस हुआ। बीच-बीच में मैंने उनकी चूत में उंगली की और फिर उनकी चूत में अपनी जीभ डालनी शुरू कर दिया।

कुछ देर बाद मम्मी ने मुझे रोक दिया। मेरा लण्ड भी काफी टाइट हो गया था पर मम्मी ने ऊपर आकर मेरे लण्ड को चूसा तब तक कि वो और कठोर नहीं हो गया और फिर मुझे अपने ऊपर आने का संकेत दिया और खुद बेड पर लेट गयी।

जब मैं मम्मी के ऊपर आया तो उन्होंने कहा कि वो मेरे साथ चुदाई करने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रही थी। यह कहते हुए मम्मी ने मुझे चूमा और मेरे हार्ड लण्ड को पकड़ा और अपनी चूत के होंठों का मार्गदर्शन दिलाया। मम्मी ने कुछ समय तक उसे अपनी चूत से रगड़ा और जिसने मम्मी की चूत को और भी गीला और रसदार बना दिया। मम्मी ने मेरे लण्ड का सुपारा अपनी चूत के छेद में डलवा दिया।

मम्मी ने कहा कि वह मुझे सिखाएगी कि मैं उन्हें कैसे चोदूँ और उसे खुश करूँ और मुझे कहा कि अपना लंड धीरे धीरे डालना और चूत की गर्मी को महसूस करना।

मैंने अपना लंड धीरे-धीरे उनकी चूत में घुसाया और उसकी गर्म चूत की दीवारों को अपने लंड के चारों तरफ लपेटता हुआ महसूस किया और कुछ झटकों के बाद मेरा लण्ड पूरी तरह से अन्दर चला गया और मैं तब तक उस स्थिति में रहा जब तक कि हम दोनों को आराम महसूस नहीं हुआ।

मम्मी ने मुझसे कहा- मुझे जितना हो सके उतना जोर से चोद।

यह सुनकर मैं अपना लण्ड माँ की चूत के अंदर और बाहर करने लगा जब तक मेरा लण्ड उनके रस से चिकना नहीं हो गया।

मेरी प्यास बढ़ने लगी तो मैंने कुछ ही धक्कों में लण्ड को ज्यादा से ज्यादा गहराई तक

पेल दिया और मम्मी के कुछ भी कहने से पहले धड़ाधड़ टोकना शुरू कर दिया। मम्मी ने भी अपने कूल्हों को उसी तरह से घुमाना शुरू कर दिया मुझे यह बहुत अच्छा लगा। मैंने माँ की चुदाई करते हुए उनकी आँखों में सीधा देखा और उस कच्चे रसीले रूप को निचले होंठ पर काट दिया और मम्मी 'उम्मह... अहह... हय... याह...' जैसे कराहने लगी।

मम्मी बड़बड़ाए जा रही थी- आआह ... समझ आया कि अपनी माँ को कैसे चोदते हैं? क्या मैं बिस्तर पर गर्म हूँ ... हम्मम्ममा ... आआह्ह्ह्ह ... मुझे ऐसे चोदो कि अपनी मम्मी की गहराई में समा जाओ ... मुझे चोदो जैसे तुम्हारे भाई ने मुझे फार्महाउस में जमकर चोदा था आआहह ... ह्ह्ह्ह ... ह्ह्हा ... आआ।

यह सुनकर मैं उन्हें और तेजी से चोदने लगा। मेरा लण्ड माँ की चूत में गहराई तक चला गया और मेरी गेंदों ने हर झटके के साथ उसकी चूत के होंठों को मारा और 'थड ... थड़ ... थड़ ...' की तरह आवाज़ दी।
कमरा वासना से भरा हुआ था।

मैंने मम्मी को 5 मिनट तक उसी अवस्था में चोदा। फिर माँ ने कहा कि वह मुझे ऊपर से चोदना चाहती हैं।

मैं बिस्तर पर लेट गया और माँ मेरे ऊपर आ गई और वो मेरे लंड पर बैठ गईं। उन्होंने अपनी चूत को मेरे लंड के ऊपर कुछ बार रगड़ा, जिससे मैं पागल हो गया और फिर माँ से अपने लंड को उनकी चुत में डालने की भीख माँगी।

मम्मी मुझ पर हंसी और फिर मेरे लण्ड को सीधे हाथ से पकड़ कर धीरे-धीरे बैठने लगी जब तक उनकी चूत ने मेरे लण्ड को गहराई तक नहीं निगल लिया। मम्मी धीरे-धीरे ऊपर-नीचे हो रही थी। मम्मी के 36" आकार के स्तन उनके साथ ऊपर-नीचे हो रहे थे। यह मेरे लिए अद्भुत दृश्य था जिसने मुझे और भी हार्ड बना दिया। मैंने उनके बूब्स निचोड़ दिए और वो मुझे जोर जोर से चोद रही थी।

फिर अचानक वो कांपने लगी और बेतहाशा मेरे ऊपर झुक गई और गिर गई और उनका रस मेरे लंड को गीला करता हुआ मेरे पेट पर निकल आया।

मैं भी अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच रहा था। मम्मी ने मेरे नीचे आकर अपने कूल्हों को ऊपर उठाया और मुझे जोर से चोदने के लिए कहा और मैंने उनकी चूत में अपना लण्ड टिकाकर जोरो के झटके देने शुरू कर दिए।

यह चुदाई इतनी गर्म थी कि मेरा लंड उनकी चुत में फिसल गया और मैं खुद को रोक नहीं पाया और अपने आप को कंपकंपी देना शुरू कर दिया।

माँ ने अपने कूल्हों को और भी ऊपर उठाया पर मैंने अपना लण्ड उनकी चूत में फंसाए रखा. मैंने उनके कंधों को पकड़ लिया और उनके पेट में अपने वीर्य की पिचकारियों को खाली करने लगा। आखरी झटके के बाद मैं पूरी तरह से थका हुआ था, मैंने माँ से कहा कि मैंने कभी अपने सपने में नहीं सोचा था कि मैं आपके साथ सेक्स करूँगा और यह मेरे लिए अब तक का सबसे अच्छा एहसास है।

माँ मेरी तरफ देखकर मुस्कुराई और कहा कि मैंने उनकी वासना को संतुष्ट किया है और उनकी अच्छी चुदाई की है और मम्मी ये पूरी ज़िंदगी के लिए चाहती है और मेरे होंठों पर चुम्बन करने लगी।

उस रात मैंने और मम्मी ने कई बार चुदाई की और थक हार कर हम लोग सो गए।

सुबह जब करण वापस आया तो मम्मी नंगी ही दरवाज़ा खोलने चली गयी और वापस आकर सो गई।

उस दिन के बाद से हमारे जीवन में बदलाव आया, मेरे भाई और मैं हमारे घर में और खेत में अलग से चूत और गांड में माँ की चुदाई करते थे और कुछ हफ़्तों तक उसके हर छेद में अपना वीर्य डालते थे।

फिर एक दिन मम्मी ने दोनों भाइयों के साथ चुदाई करने की इच्छा जताई। मम्मी ने कहा कि वह करण और मेरे द्वारा एक समय में ही अपनी चूत और गांड में चुदाई करवाना चाहती हैं क्योंकि हम दोनों अब उन्हें बहुत दिनों से चोद रहे हैं और अब हम तीनों मिलकर एक साथ चुदाई का आनंद लेना चाहते थे।

मेरी कहानी आप लोगों को पसंद आई या नहीं ... मुझे जरूर बतायें। उसी के बाद आगे की कहानी को जारी करूँगा। मुझे मेल करने के लिए और इंस्टाग्राम पर जोड़ने के लिए बिल्कुल भी संकोच ना करें।

sweetsonrohan@gmail.com

[Insta/weekendlust_tales](https://www.instagram.com/Insta/weekendlust_tales)

Other stories you may be interested in

शेखावटी की देसी भाभी की चूत की चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम राजवीर सिंह है. मैं साधारण सा दिखने वाला 28 साल का आदमी हूँ. मेरे लंड का आकार सामान्य ही है, जो कि 6 इंच लम्बा 2 इंच मोटा और थोड़ा आगे से मुड़ा हुआ है. [...]

[Full Story >>>](#)

चाची की वासना जगा कर चूत चुदाई

मेरा नाम गिरीश है. मैं एक इंजीनियर हूँ. मेरे परिवार में दादी, एक भाई, चाची चाचा और उनकी दो बेटियां हैं. यह कहानी मेरी चाची और मेरे बीच हुई एक हसीन चुदाई की है. मेरी चाची 36 साल की हैं, [...]

[Full Story >>>](#)

चुदक्कड़ भतीजी की चुदाई

दोस्तो नमस्कार, मैं राज शर्मा एक बार फिर अपनी कहानियों को लेकर हाजिर हूँ. अपनी मेरी पिछली कहानी भाई की कुंवारी साली की चुदाई पढ़ कर बहुत मेल किए उसके लिए धन्यवाद. मुझसे फेसबुक पर जुड़ने वाले दोस्तों का भी [...]

[Full Story >>>](#)

आपा का हलाला-4

सारा ने कानों में झुमका, मांग में टीका और नथ पहन रखी थी और गले में एक बड़ा सा हार पहन रखा था. सच में बड़ी मादक लग रही थी. फिर उसने साड़ी की गांठ को खोला और पल्लू से [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी और ननद का न्यूड वाला प्यार

दोस्तो, मेरा नाम पायल जैन है। अन्तर्वासना पर भेजी गई एवं प्रकाशित होने वाली यह मेरी तीसरी स्टोरी है और मैं उम्मीद करती हूँ कि यह आप सभी को बहुत पसंद आएगी। मेरी पहली कहानी थी जोधपुर की भाभी संग [...]

[Full Story >>>](#)

